>

Title: Need to undertake relief and rehabilitation measures in flood-ravaged regions of Uttar Pradesh.

श्री जयंत चौधरी (मथुरा): उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश की वजह से प्रदेश की लगभग सभी प्रमुख नदियाँ उफान पर हैं। सूबे के लगभग 23 जिलों में बाढ़ का संकट फिर गहराता जा रहा है। रामपुर, आगरा, बागपत, कन्नौज, इटावा और बांदा में भी प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। इससे सैकड़ों गाँव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। बाढ़ की वजह से निचले इलाकों में भारी तबाही मची है और बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

अधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में मानसून शुरू होने से लेकर अब तक कुल 233 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों में करीब पौने दो लाख की आबादी अब भी बाढ़ से प्रभावित है। बाढ़ का पानी जमा होने से लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। कई जिलों में लोगों को राहत एवं खाद्य सामग्री नहीं पहुंच पा रही है। बाढ़ का नकारात्मक प्रभाव कृषि उत्पाद पर भी दिखाई दे रहा है। किसानों के नुकसान का आंकलन एवं उनको राहत पहूंचाना अति आवश्यक है। मैं मांग करता हूं कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जाएं।